

Я помню чудное мгновенье

Слова: А.Пушкин

(исходн.-для 7-стр)

Музыка: М.Глинка

Умеренно скоро

Staff 1:

Staff 2 (Measure 6):

Staff 3 (Measure 11):

Staff 4 (Measure 16):

Staff 5 (Measure 21):

Staff 6 (Measure 26):

Страстно

31

Страстно

31

32

33 34

35 36

37 38

39 40

41 42

43 44

45 46

47 48

49 50

51 52

53 54

55 56

57

58

59 60

61 62

63 64

65 66

67 68

69 70

71 72

73 74

75 76

77 78

79 80

81 82

83 84

85 86

87 88

89 90

91 92

93 94

95 96

97 98

99 100

101 102

103 104

105 106

107 108

109 110

111 112

113 114

115 116

117 118

119 120

121 122

123 124

125 126

127 128

129 130

131 132

133 134

135 136

137 138

139 140

141 142

143 144

145 146

147 148

149 150

151 152

153 154

155 156

157 158

159 160

161 162

163 164

165 166

167 168

169 170

171 172

173 174

175 176

177 178

179 180

181 182

183 184

185 186

187 188

189 190

191 192

193 194

195 196

197 198

199 200

201 202

203 204

205 206

207 208

209 210

211 212

213 214

215 216

217 218

219 220

221 222

223 224

225 226

227 228

229 230

231 232

233 234

235 236

237 238

239 240

241 242

243 244

245 246

247 248

249 250

251 252

253 254

255 256

257 258

259 260

261 262

263 264

265 266

267 268

269 270

271 272

273 274

275 276

277 278

279 280

281 282

283 284

285 286

287 288

289 290

291 292

293 294

295 296

297 298

299 300

301 302

303 304

305 306

307 308

309 310

311 312

313 314

315 316

317 318

319 320

321 322

323 324

325 326

327 328

329 330

331 332

333 334

335 336

337 338

339 340

341 342

343 344

345 346

347 348

349 350

351 352

353 354

355 356

357 358

359 360

361 362

363 364

365 366

367 368

369 370

371 372

373 374

375 376

377 378

379 380

381 382

383 384

385 386

387 388

389 390

391 392

393 394

395 396

397 398

399 400

401 402

403 404

405 406

407 408

409 410

411 412

413 414

415 416

417 418

419 420

421 422

423 424

425 426

427 428

429 430

431 432

433 434

435 436

437 438

439 440

441 442

443 444

445 446

447 448

449 450

451 452

453 454

455 456

457 458

459 460

461 462

463 464

465 466

467 468

469 470

471 472

473 474

475 476

477 478

479 480

481 482

483 484

485 486

487 488

489 490

491 492

493 494

495 496

497 498

499 500

501 502

503 504

505 506

507 508

509 510

511 512

513 514

515 516

517 518

519 520

521 522

523 524

525 526

527 528

529 530

531 532

533 534

535 536

537 538

539 540

541 542

543 544

545 546

547 548

549 550

551 552

553 554

555 556

557 558

559 560

561 562

563 564

565 566

567 568

569 570

571 572

573 574

575 576

577 578

579 580

581 582

583 584

585 586

587 588

589 590

591 592

593 594

595 596

597 598

599 600

601 602

603 604

605 606

607 608

609 610

611 612

613 614

615 616

617 618

619 620

621 622

623 624

625 626

627 628

629 630

631 632

633 634

635 636

637 638

639 640

641 642

643 644

645 646

647 648

649 650

651 652

653 654

655 656

657 658

659 660

661 662

663 664

665 666

667 668

669 670

671 672

673 674

675 676

677 678

679 680

681 682

683 684

685 686

687 688

689 690

691 692

693 694

695 696

697 698

699 700

701 702

703 704

705 706

707 708

709 710

711 712

713 714

715 716

717 718

719 720

721 722

723 724

725 726

727 728

729 729

730 730

731 731

732 732

733 733

734 734

735 735

736 736

737 737

738 738

739 739

740 740

741 741

742 742

743 743

744 744

745 745

746 746

747 747

748 748

749 749

750 750

751 751

752 752

753 753

754 754

755 755

756 756

757 757

758 758

759 759

760 760

761 761

762 762

763 763

764 764

765 765

766 766

767 767

768 768

769 769

770 770

771 771

772 772

773 773

774 774

775 775

776 776

777 777

778 778

779 779

780 780

781 781

782 782

783 783

784 784

785 785

786 786

787 787

788 788

789 789

790 790

791 791

792 792

793 793

794 794

795 795

796 796

797 797

798 798

799 799

800 800

801 801

802 802

803 803

804 804

805 805

806 806

807 807

808 808

809 809

810 810

811 811

812 812

813 813

814 814

815 815

816 816

817 817

818 818

819 819

820 820

821 821

822 822

823 823

824 824

825 825

826 826

827 827

828 828

829 829

830 830

831 831

832 832

833 833

834 834

835 835

836 836

837 837

838 838

839 839

840 840

841 841

842 842

843 843

844 844

845 845

846 846

847 847

848 848

849 849

850 850

851 851

852 852

853 853

854 854

855 855

856 856

857 857

858 858

859 859

860 860

861 861

862 862

863 863

864 864

865 865

866 866

867 867

868 868

869 869

870 870

871 871

872 872

873 873

874 874

875 875

876 876

877 877

878 878

879 879

880 880

881 881

882 882

883 883

884 884

885 885

886 886

887 887

888 888

889 889

890 890

891 891

892 892

893 893

894 894

895 895

896 896

897 897

898 898

899 899

900 900

901 901

902 902

903 903

904 904

905 905

906 906

907 907

908 908

909 909

910 910

911 911

912 912

913 913

914 914

915 915

916 916

917 917

918 918

919 919

920 920

921 921

922 922

923 923

924 924

925 925

926 926

927 927

928 928

929 929

930 930

931 931

932 932

933 933

934 934

935 935

936 936

937 937

938 938

939 939

940 940

941 941

942 942

943 943

944 944

945 945

946 946

947 947

948 948

949 949

950 950

951 951

952 952

953 953

954 954

955 955

956 956

957 957

958 958

959 959

960 960

961 961

962 962

963 963

964 964

965 965

966 966

967 967

968 968

969 969

970 970

971 971

972 972

973 973

974 974

975 975

976 976

977 977

978 978

979 979

980 980

981 981

982 982

983 983

984 984

985 985

986 986

987 987

988 988

989 989

990 990

991 991

992 992

993 993

994 994

995 995

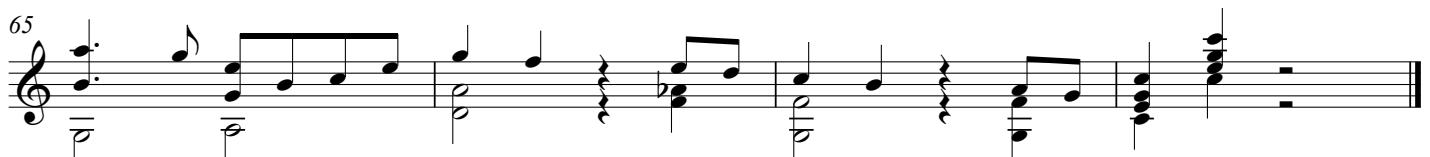
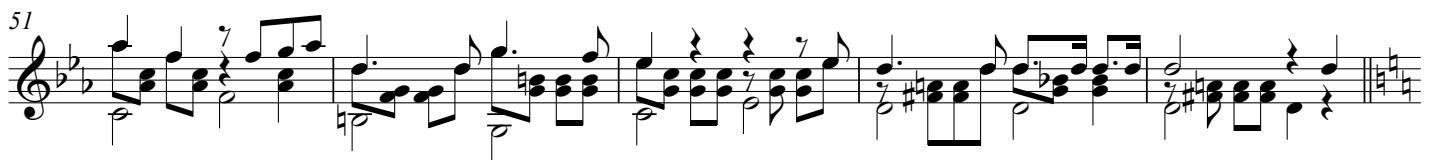
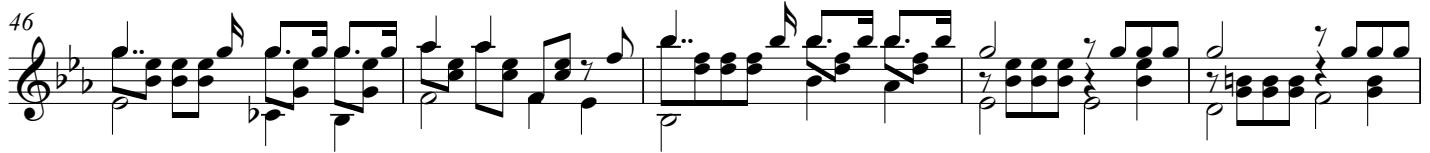
996 996

997 997

998 998

999 999

1000 1000



Я помню чудное мгновенье,
Передо мной явилась ты.
Как мимолётное виденье,
Как гений чистой красоты.
Как гений чистой красоты.

В томленьях грусти безнадежной,
В тревогах шумной суеты
Звучал мне долго голос нежный
И снились милые черты.
И снились милые черты.

Шли годы, бурь порыв мятежный
Рассеял прежние мечты,
И я забыл твой голос нежный,
Твои небесные черты.
Твои небесные черты.
И жизнь, и слёзы, и любовь.

В глухи, во мраке заточенья
Тянулись тихо дни мои
Без божества, без вдохновенья,
Без слёз, без жизни, без любви.
Без слёз, без жизни, без любви.

Душе настало пробужденье,
И вот опять явилась ты,
Как мимолётное виденье,
Как гений чистой красоты.
Как гений чистой красоты.

И сердце бьётся в упоеньи,
И для него воскресли вновь
И божество, и вдохновенье,
И жизнь, и слёзы, и любовь.
И божество, и вдохновенье,
И жизнь, и слёзы, и любовь.